आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 284 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 02 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

लखनऊ में गाजियाबाद और कानपुर से ज्यादा अपहरण

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकडों ने सबको चौकाया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपराधों के बढ़ते ग्राफ ने चौंका दिया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने राजधानी में वर्ष 2023 में अपराध के आंकड़े जारी किए हैं। इसमें देश के 19 मेट्रोपोलिटन शहरों में यूपी के तीन शहर शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक राजधानी लखनऊ में गाजियाबाद और कानपुर से ज्यादा अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं, जो लखनऊ में अपराध की स्थिति बताने के लिए काफी है।

खास बात यह है कि लखनऊ हत्या, लूट, दुष्कर्म के अलावा अपहरण जैसे संगीन मामले में भी गाजियाबाद और कानपुर से बहुत आगे है। आंकड़ों के मुताबिक राजधानी में गाजियाबाद से 20 गुणा से भी ज्यादा मामले दर्ज किए गए। वहीं, कानपुर से दोगुना मामले सामने आए। इन आंकड़ों ने राजधानी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजधानी में वर्ष 2021 में अपहरण के 773, वर्ष 2022 में 293 और वर्ष 2023 में 720 मामले पंजीकृत हुए। वहीं, कानपुर में वर्ष 2021 में 152, वर्ष 2022 में 341 और वर्ष 2023 में 373 मामले सामने आए। खास बात है कि गाजियाबाद में वर्ष 2021 में 50, 2022 में 55 और 2023 में महज 33 केस ही देखने को मिले।

राजधानी में अपहरण के मामले में 16 साल से कम उम्र की किशोरियों की संख्या ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक छह साल से कम उम्र की छह बच्चियां, छह से 12 साल की 26 बालिकाएं और 12 से 16 साल की 100 किशोरियों का वर्ष 2023 में अपहरण किया गया था। वहीं, कानपुर में 12 से 16 आयु वर्ग की 76 किशोरियों को अगवा किया गया था। गाजियाबाद में यह आंकड़ा शून्य दर्शाया गया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी-लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर वृहद विचार गोष्ठी

प्रभारी जिलाधिकारी, अधिकारियों व कर्मचारियों ने महापुरुषों के चित्र पर श्रद्धासुमन किये अर्पित

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आज एक वृहद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी जिलाधिकारी/एडीएम (भू0अ0) राजेश कुमार सिंह ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके जीवन-दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री केवल व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा हैं। गांधीजी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत तथा शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' का संदेश आज भी प्रासंगिक है। हमें चाहिए कि उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें।' उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर गांधीजी की विचारधारा को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मान्यता मिली है, जो भारत के लिए गौरव की बात है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अपने विचार साझा किए और कहा कि गांधीजी के सत्य-अहिंसा के मार्ग तथा शास्त्री जी के सादगीपूर्ण जीवन और अनुशासन से प्रेरणा लेकर हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए।

इस अवसर पर एडीएम भू0अ0 बच्चू सिंह, एडीएम न्यायिक भैरपाल सिंह, एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव एवं वेद प्रकाश पांडे, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला अभिहित अधिकारी (फूड विभाग) सर्वेश मिश्रा, सूचना विभाग के वरिष्ठ लेखाकार अरुण कुमार सहित **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गौतमबुद्धनगर की यूपी-112 सेवा को प्रदेश स्तर पर मिला दूसरा स्थान

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में यूपी-112 पुलिस टीम को प्रदेश स्तर पर बेहतरीन कार्य के लिए दूसरा स्थान मिला है। बुधवार को शासन स्तर से 75 जनपदों में पीड़ितों तक त्वरित मदद पहुंचाने की सूची जारी की। इसमें जनपद की यूपी 112 सेवा का 3:24 मिनट समय रिकॉर्ड हुआ है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि डीसीपी यातायात के पर्यवेक्षण में पीआरवी के कर्मी बेहद कम समय में सहायता पहुंचाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। रिकार्ड के अनुसार, पीसीआर को प्रतिदिन 900 से ज्यादा सूचना मिलती हैं। इन सूचनाओं का निराकरण और त्वरित कार्रवाई के लिए यूपी-112 की 65 चार पहिया पीआरवी व 48 दोपहिया सड़कों पर दौड़ते हैं।

सितंबर की सूचनाओं पर पीआरवी के पुलिसकर्मियों ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर नया आयाम स्थापित किया। विशेष बात है कि जनवरी से अगस्त तक यूपी-112 की टीम ने जीवनलीला समाप्त करने जा रहे नौ से ज्यादा लोगों को मौके पर पहुंचकर उनकी जिंदगी सुरक्षित की।

पीआरवी की बेहतरीन कार्यशैली व तकनीकी सहायता के साथ सूचना देने वालों की मदद करना प्राथमिकता में है। यही नहीं, यूपी-112 में कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर को तीन बार पीआरवी आफ डे का खिताब भी मिल चुका है। रेस्पांस टाइम घटाने को लेकर अधिकारियों ने कई योजना बनाई हैं। पुलिस आयुक्त ने यूपी-112 के पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की बात कही है।

बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट 43.70 लाख रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ड्रग्स की तस्करी समेत अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल होने का भय दिखाकर बुजुर्ग महिला से 43.70 लाख रुपये ठगने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी राजस्थान के हनुमानगढ़ से हुई। उसके बैंक खाते में सात लाख 80 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे सेक्टर-41 निवासी 76 वर्षीय सरला देवी ने 31 अगस्त को दर्ज कराई एफआईआर में पुलिस को बताया था कि वह घर में अकेली रहती हैं। उनके पास 18 जुलाई को कथित एयरटेल कर्मी नेहा नाम की महिला का फोन आया था।

उसने उनके नाम पर मुंबई बायकुला की एक दुकान में नंबर चलना बताया। सरला देवी को बताया गया कि नंबर का उपयोग जुआ और ब्लैकमेलिंग में होने के चलते मुंबई पुलिस से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। इसके बाद सरला के पास कथित मुंबई क्राइम ब्रांच से एसीपी संजय सिंह ने कॉल की। उसने महिला के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट होने की जानकारी दी। पूछने पर बताया गया कि महिला के मुंबई में चार बैंक खाते हैं। इनसे हवाला, ड्रग्स तस्करी, ऑनलाइन जुआ में उपयोग और खातों से पहलगाम हमले के आतंकवादियों को फंडिंग की गई। इतना सुनते ही पीड़िता डर गईं और ठगों के दिशा-निर्देशों का पालन करने लगीं। ठगों ने बचने के लिए उनकी जमा पूंजी की जांच कर वापस लौटाने का भरोसा दिया। आरोपियों ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक आठ बार में 43 लाख 70 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। इस बीच ठगों ने सरला को 23 दिन निगरानी में रखा। पुलिस ने जांच के बाद गुरुवार को राजस्थान के हनुमानगढ़ से मदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में ठग मदन कुमार ने बताया कि वह सीएसपी की दुकान चलाता है। अपने चालू बैंक खाते के माध्यम से साइबर अपराध में लिप्त अपराधियों को कमीशन काटकर नगद रकम बैंक से निकालकर उपलब्ध कराता है। इसी क्रम में ठग के बैंक खाते में साइबर ठगी के सात लाख 80 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए थे, जिन्हें ठग ने स्वयं बैंक में उपस्थित अन्य साथियों के साथ मिलकर निकाल लिए थे। साइबर सेल की डीसीपी प्रीति यादव का कहना है कि ठगी में शमिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

मिशन शक्ति 5.0 : राजकीय बाल गृह बालिका में कन्या पूजन

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के कुशल निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

राजकीय बाल गृह बालिका, सेक्टर-62 नोएडा में कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं का पूजन कर उनके प्रति सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि बेटियाँ किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं और उन्हें समान अवसर व सम्मान प्रदान किया जाना चाहिए। महिला कल्याण विभाग का यह विशेष अभियान पूरे जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2025 में बटोरी सराहना

टेक्नोलॉजी, कौशल विकास और व्यवसायिक शिक्षा के स्टॉल बने आकर्षण का केन्द्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 24 से 29 सितंबर तक आयोजित तृतीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2025 में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा टाटा टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित वृहद् स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस स्टॉल में CNC मशीनिंग, रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी मोल्डिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों एवं उनके अभिनव उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया, जिसने आगंतुकों को भविष्य की तकनीकी दिशा की झलक दी।

सैकड़ों स्टालों के बीच विभागीय स्टॉल ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर अपनी सार्थकता और गुणवत्ता को प्रमाणित किया। प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ छात्रों, युवाओं एवं आगंतुकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस पहल को और भी विशेष बना दिया।

विभागीय मंत्री कपिल देव अग्रवाल

जी, प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, निदेशक अभिषेक सिंह, निदेशक कौशल विकास मिशन पुलकित खरे, अतिरिक्त मिशन निदेशक प्रिया सिंह, अतिरिक्त निदेशक मानपाल सिंह एवं राजेन्द्र प्रसाद, संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार, सहायक निदेशक एम.के. सिंह, तथा टी.टी.एल. ग्रुप के ग्लोबल हेड सुशील कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया और उसकी सराहना की। उनका यह प्रोत्साहन आयोजन की उच्च गुणवत्ता एवं विभागीय उत्कृष्टता का प्रमाण है।

इस सफल आयोजन के क्रियान्वयन में संयुक्त निदेशक मेरठ मंडल मनोज सिंह के कुशल निर्देशन एवं लखनऊ से भेजी गई विभागीय टीम के सदस्यों के अतिरिक्त निदेशक राजेन्द्र प्रसाद, उप निदेशक राजपाल, सहायक निदेशक शिवम सेन, अनुदेशक अंकित वर्मा, रजनीकांत (टी.टी.एल. समूह) एवं वरूण गुप्ता (टी.टी.एल. समूह) का रचनात्मक सहयोग अत्यंत उल्लेखनीय रहा। साथ ही, राजकीय आईटीआई नोएडा के प्रधानाचार्य यज्ञदेव सिंह के कुशल नेतृत्व, राजकीय आईटीआई बादलपुर के प्रधानाचार्य गौरव कुमार, राजकीय आईटीआई दादरी के प्रधानाचार्य शिवांशु तथा राजकीय आईटीआई जेवर के प्रधानाचार्य राजकुमार सहित समस्त स्टाफ के समर्पित योगदान ने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह सामूहिक प्रयास विभाग की कार्यकुशलता, उत्कृष्ट समन्वय एवं टीम भावना का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की सशक्त छवि को और भी सुदृढ़ किया है।

रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले तैयार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के रामलीला ग्राउंड श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के लिये रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले बन कर तैयार है। आज शाम अहंकार और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया जायेगा इसके साथ ही के साथ ही असत्य पर सत्य की जीत सत्यापित की जायेगी। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के आयोजक संजय बाली का कहना है कि पिछले 40 वर्षों से रामलीला का आयोजन कर रहे हैं। इस वर्ष जो रावण, कुंभकर्ण, मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा, जिसमें रावण लगभग 80 फुट का है। कुंभकर्ण है 75 का और मेघनाद है 65 बनाया गया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

बिश्नोई पर लगाम

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस ज़ीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ ताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर-सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफ लगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सब बालक इसी बहाने प्रेम के वश में होकर श्री रामजी के मनोहर अंगों को छूकर शरीर से पुलकित हो रहे हैं और दोनों भाइयों को देख-देखकर उनके हृदय में अत्यन्त हर्ष हो रहा है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सिसु सब राम प्रेमबस जाने। प्रीति समेत निकेत बखाने॥
निज निज रुचि सब लेहिं बोलाई। सहित सनेह जाहिं दोउ भाई॥

श्री रामचन्द्रजी ने सब बालकों को प्रेम के वश जानकर (यज्ञभूमि के) स्थानों की प्रेमपूर्वक प्रशंसा की। (इससे बालकों का उत्साह, आनंद और प्रेम और भी बढ़ गया, जिससे) वे सब अपनी-अपनी रुचि के अनुसार उन्हें बुला लेते हैं और (प्रत्येक के बुलाने पर) दोनों भाई प्रेम सहित उनके पास चले जाते हैं॥

राम देखावहिं अनुजहि रचना। कहि मृदु मधुर मनोहर बचना॥
लव निमेष महुँ भुवन निकाया। रचइ जासु अनुसासन माया॥

कोमल, मधुर और मनोहर वचन कहकर श्री रामजी अपने छोटे भाई लक्ष्मण को (यज्ञभूमि की) रचना दिखलाते हैं। जिनकी आज्ञा पाकर माया लव निमेष (पलक गिरने के चौथाई समय) में ब्रह्माण्डों के समूह रच डालती है,॥

भगति हेतु सोइ दीनदयाला। चितवत चकित धनुष मखसाला॥
कौतुक देखि चले गुरु पाहीं। जानि बिलंबु त्रास मन माहीं॥

वही दीनों पर दया करने वाले श्री रामजी भक्ति के कारण धनुष यज्ञ शाला को चकित होकर (आश्चर्य के साथ) देख रहे हैं। इस प्रकार सब कौतुक (विचित्र रचना) देखकर वे गुरु के पास चले। देर हुई जानकर उनके मन में डर है॥

(क्रमशः..)

पुलिस हिरासत में मौतें पुलिस तंत्र की भयावह तस्वीर

बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है। इससे पहले भी ऐसी मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी कर चुका है। इसके बावजूद देश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर स्वत: संज्ञान लिया। देशभर के थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हिरासत में मौत को लेकर रिपोर्ट पर कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि, 5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट एक ऐतिहासिक फैसला सुना चुका है। इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाने के निर्देश दिए गए थे। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस सीसीटीवी फुटेज देने से बचती है। इसके पीछे पुलिस की तरफ से कई तरह के कारण बताए जाते हैं, जैसे कि तकनीकी खराबी, फुटेज स्टोरेज की कमी, जांच जारी है या कानूनी प्रतिबंध।

कई मामलों में तो पुलिस ने फुटेज देने से सीधे इनकार कर दिया या जानबूझकर देरी की। अदालत ने साफ कहा था कि थाने का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर नहीं होना चाहिए। लॉकअप से लेकर मेन गेट, कॉरिडोर, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के कमरे, ड्यूटी रूम और थाने का पूरा कैंपस सीसीटीवी कवरेज में होना चाहिए। साथ ही, सीबीआई, ईडी, एनआईए, एनसीबी और डीआरआई जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी कैमरे लगाने के आदेश दिए गए थे। इनका डेटा कम से कम एक साल तक सुरक्षित रहे। इन मामलों से यह साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों का पालन पूरी तरह से नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की समीक्षा के लिए बनाई गई केंद्रीय और राज्य स्तरीय कमेटियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं।

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान में बीते दो साल में पुलिस हिरासत में 20 लोगों की मौतें हुई। लेकिन किसी भी पुलिसकर्मी या पुलिस अधिकारी को मौत का दोषी नहीं माना गया। इनमें पांच व्यक्तियों की मौत हार्ट अटैक से होना बताया गया जबकि एक व्यक्ति ने कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया था। दो मामलों में संतरियों को 17 सीसी के नोटिस थमाए गए हैं। शेष 14 मामलों में अभी तक मौत का कोई कारण सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों की जांच करवाई जा रही है। पुलिस हिरासत में मौतों की खबर भारत में जैसे बहुत आम है। लगभग रोज़ अख़बारों में जेल में या पुलिस की हिरासत में मारे जाने वालों की ख़बर छपती है। 26 जुलाई 2022 को लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जानकारी दी कि 2020 से 2022 के बीच 4484 लोगों की मौत हिरासत में हुई थी। मानवाधिकार आयोग ने माना कि 2021-22 में जेलों में 2152 लोग मारे गए। इनमें 155 मौतें पुलिस हिरासत में हुई थीं। लेकिन सवाल है, देश में हिरासत में इतनी मौतें क्यों होती हैं? क्या पुलिस व्यवस्था हिरासत में या जेल काट रहे क़ैदियों के साथ अमानवीय बरताव करती है? क्या वह क़ानूनों का ख़याल नहीं रखती? कॉमन कॉज के एक सर्वे के मुताबिक ज़्यादातर पुलिसवाले टॉर्चर और हिंसा को अपने काम के लिए ज़रूरी मानते हैं। 30 फ़ीसदी पुलिसवाले गंभीर मामलों में थर्ड डिग्री टॉर्चर को सही मानते हैं। जबकि 9 फीसदी यहां तक मानते हैं कि छोटे-मोटे अपराधों में भी ये सही है।

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

प्रकाश कदम बनाम रामप्रसाद विश्वनाथ गुप्ता के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फर्जी मुठभेड़ों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ फर्जी मुठभेड़ साबित होती है, उन्हें दुर्लभतम मामलों में से दुर्लभतम मानते हुए मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई कि उन्हें मुठभेड़ के नाम पर हत्या करने के लिए इस बहाने से माफ नहीं किया जाएगा कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों या राजनेताओं, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों के आदेशों का पालन कर रहे हों। डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यातना को संविधान या अन्य दंडात्मक कानूनों में परिभाषित नहीं किया गया है। किसी मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्य को दी जाने वाली यातना, मूलतः कमज़ोर पर शक्तिशाली की इच्छा को पीड़ा देकर थोपने का एक साधन है। आज यातना शब्द मानव सभ्यता के अंधकारमय पक्ष का पर्याय बन गया है। यातना और अन्य क्रूर अमानवीय एवं अपमानजनक व्यवहार या दंड के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने वाले 170 देशों में से, भारत उन आठ देशों में से एक है जिन्होंने अभी तक इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन नहीं किया है। अपने उद्देश्यों और कारणों के विवरण में, विधेयक में कहा गया है कि इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन भारत सरकार की बुनियादी सार्वभौमिक मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विधि आयोग की 273वीं रिपोर्ट में कहा गया कि हिरासत में मौतें सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में गहरी अस्वस्थता का लक्षण हैं। संवैधानिक गारंटी, कानूनी सुरक्षा उपायों और न्यायिक घोषणाओं के बावजूद, हिरासत में यातना और दुर्व्यवहार का प्रयोग व्यापक रूप से जारी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जहाँ किसी लोक सेवक को हिरासत में यातना देना साबित हो जाता है, वहाँ यह साबित करने का भार कि यातना जानबूझकर नहीं दी गई थी, या लोक सेवक की सहमति या सहमति से नहीं दी गई थी, लोक सेवक पर आ जाएगा। आयोग के मसौदे में हिरासत में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सज़ा का भी प्रावधान था। मसौदे में पीड़ित को मुआवज़ा देने का भी प्रावधान था। यह रिपोर्ट धूल चाट रही है। राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में तभी चिंता होती है, जब वे विपक्ष में होते हैं। सत्ता मे आते ही नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में पुलिस कानूनों में सुधार किया है, किन्तु हिरासत में मौतें और प्रताडना जैसे मामलों में जिम्मेदारी तय नहीं की गई और न ही किसी तरह के मुआवजे का प्रावधान किया गया। पुलिस के खिलाफ ऐसे मामलों में जब तक कठोर कानून नहीं बनेगा, तब तक हिरासत में मौतों से देश शर्मसार होता रहेगा।

- योगेन्द्र योगी
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दशहरा पर करें ये सिद्ध उपाय, घर में आएगी धन-समृद्धि और खुशहाली

दशहरा पर्व को विजयादशमी भी कहा जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दशहरा का पर्व भगवान श्रीराम की रावण पर विजय का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक दशहरे का दिन सिद्ध मुहूर्त होता है। इस दिन किए गए शुभ कार्यों का कई गुना फल मिलता है। ऐसे में आप भी दशहरे के दिन कुछ आसान ज्योतिष उपाय अपनाने से जीवन में खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही परिवार में सुख-शांति और धन संपत्ति का वास होता है। इन ज्योतिष उपायों को करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है। साथ ही जीवन में आर्थिक प्रगति, स्थिरता और पारिवारिक सौहार्द भी बढ़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ज्योतिष उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको दशहरे के मौके पर आजमाने से जीवन में खुशहाली के द्वार खुल सकते हैं।

गोबर के उपले बनाकर करें पूजा

दशहरे के दिन सुबह स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें और पूजा शुरू करें। सबसे पहले घर के मंदिर की सफाई करें और फिर गोबर के छोटे उपले बनाकर उस पर पीले फूल चढ़ाएं। इस दिन विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करें। हिंदू धर्म में गाय के गोबर को पवित्र और शुद्ध माना जाता है। इसलिए सुबह गाय के गोबर से उपले बनाकर अच्छे से सुखा लें। फिर रात के लिए पूजन करें। इस उपाय को करने से जीवन में खुशहाली आती है।

मुख्य द्वार पर लगाएं आम का तोरण

ज्योतिष और वास्तु में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है। माना जाता है कि घर में कोई भी ऊर्जा मुख्य द्वार से अंदर प्रवेश करती है। जिस कारण घर के मुख्य द्वार को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। इसके साथ ही घर का मुख्य दरवाजा भी सकारात्मकता से भरा होना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। दशहरे के दिन मुख्य द्वार को आम के पत्तों के तोरण से सजाना शुभ होता है।

तिजोरी में रखें गोमती चक्र और श्रीयंत्र

दशहरे के पर्व को धन और लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। अगर आप इस दिन घर की तिजोरी या फिर पूजा स्थल पर 11 गोमती चक्र या फिर श्रीयंत्र रखें। इस उपाय को करने से धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही घर की तिजोरी में 5 कौड़ियां भी रखनी चाहिए। कौड़ी धन को आकर्षित करने की सामग्री माना जाता है। ऐसा करने से घर में धन योग बनते हैं। इन चीजों को लाल कपड़े में बांधकर रखना चाहिए।

मुख्य द्वार पर छिड़कें नमक का पानी

नमक ऐसी सामग्री है, जो ऊर्जा को शुद्ध करने की क्षमता रखता है। अगर आप दशहरे के दिन घर के मुख्य द्वार पर नमक के पानी का छिड़काव करते हैं, तो इसको शुभ माना जाता है। नमक के पानी का मुख्य द्वार पर छिड़काव करने से किसी भी तरह की निगेटिव एनर्जी घर के अंदर नहीं आती है।

दशहरे की रात करें मां लक्ष्मी की पूजा

बता दें कि दशहरा सिर्फ शक्ति पूजा का ही नहीं बल्कि मां लक्ष्मी की विशेष कृपा पाने का भी अच्छा मौका है। रात में मां लक्ष्मी की पूजा करके आप अपने जीवन में स्थायी सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य को आमंत्रित कर सकते हैं। रात के समय यह उपाय करना विशेष फलदायी माना जाता है। मां लक्ष्मी के पूजन के साथ ही खीर का भोग लगाएं।

-अनन्या मिश्रा

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष दशमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभ समय, अच्छा समय, भाग्यकारी समय। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और है। कुछ घंटे की बात है। थोड़ा सा समय खराब है। प्रेम संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय थोड़ा रोक दें क्योंकि भावुकता में लिया गया निर्णय नुकसान करेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अगर कुछ भी अपने व्यापारिक रूप में डिजाइन किया है, उसको कार्य रूप दें। शुभ समय है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है।

सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर में नवमी के दिन कन्याओं का पूजन करके उनको भोजन कराती व्रती महिलाएं।

विवादित पोस्ट पर भड़के सपा कार्यकर्ता

नोएडा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा मुखिया अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विवादित पोस्ट से भड़के सपाइयों ने बृहस्पतिवार को सेक्टर 24 थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया। सपाइयों ने विवादित पोस्ट करने वाले के खिलाफ कार्रवाई न होने गहरी नाराजगी जाहिर की। महानगर अध्यक्ष के साथ पार्टी के तमाम लोगों ने पुलिस अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सोशल मीडिया अकाउंट पर विवादित पोस्ट मानव जोगी नोएडा के नाम से की किया गया था। आरोपित की पहचान सेक्टर 22 में चौड़ा में रहने वाले मानव के रूप में हुई थी। उसने पोस्ट में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राक्षक का रूप दिया था जबकि तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हवन में आहुति डालते हुए दिखाया गया।

इसमें लिखा कि जब-जब धर्म की स्थापना होती है तब-तब असुरों को परेशानी होती है। इस पोस्ट पर सपा के महानगर अध्यक्ष डा. आश्रय गुप्ता ने कड़ी आपत्ति जाहिर कर मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और यूपी पुलिस, डीजीपी व नोएडा पुलिस को ट्विटर पर टैगकर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज की मांग की थी।

उनका कहना है कि एक्स पर डीजीपी उत्तर प्रदेश और नोएडा कमिश्नरेट पुलिस से कार्रवाई की मांग के बावजूद आरोपित को पकड़ नहीं गया। इससे तमाम सपाइयों में रोष बढ़ गया। बृहस्पतिवार दोपहर सभी को पार्टी के कार्यालय पर एकत्रित होकर वहां से सेक्टर 24 थाने पहुंचे और प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

पुलिस अधिकारी विद्युत गोयल को ज्ञापन देकर कार्रवाई के लिए कहा गया। अधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि आरोपित को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज की कार्रवाई भी होगी। इसके बाद पुलिसकर्मी तमाम प्रदर्शनकारियों उनके कार्यालय पर ले गए।

महिलाएं स्वयं की सेहत को लेकर सजग रहें : डॉ. अनीता

एमिटी विवि में महिलाओं के लिए लगाया गया चिकित्सा जांच शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। भारत सरकार के स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया गया ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'' के अंर्तगत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देश पर एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइसेस द्वारा महिला शिक्षकों, छात्राओं एवं कर्मचारियों के लिए निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 400 से अधिक लोगों ने जांच कराई।

एमिटी विवि. में लगाये गये शिविर में प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डा अनीता सबरवाल ने कहा कि एक महिला पूरे घर की स्वास्थ्य का ध्यान रखती है इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक होना चाहिए।

अक्सर देखा गया है कि घर नौकरी और समाज की हर जिम्मेदारी को कुशलता से निभाने वाली महिलाएं स्वंय की सेहत को लेकर सजग नही होती जो उनकी उपेक्षा को गंभीर रोगों में परिवर्तीत कर देता है। हमें समाज को एनिमिया मुक्त, सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाना है तो नियमित अपने स्वास्थय की जांच करनी चाहिए। इस अवसर पर डा अनीता सबरवाल कैंसर जागरूकता पर कहा कि कैंसर के मिथको जैसे यह सक्रांमक होता, यह केवल दूसरों को प्रभावित करता है, सभी प्रकार के कैंसर एक जैसे होते है, यह चोट के कारण होता है आदि को नकारते हुए कहा कि कैंसर से बचाव के लिए उसका प्रारंभिक स्तर पर पता लगना आवश्यक है। उन्होनें कैसर के प्रकार, कारण, लक्षणों की विस्तृत जानकारी दी।

एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल ने कहा कि विकसित राष्ट्र 2047 लक्ष्य को हासिल करने के लिए और परिवार, समुदायों और राष्ट्र को मजबूत करने के लिए महिलाओं और बालिकाओं का स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है।

इस अवसर पर एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइसेस के निदेशक डा जसोबंता सेठी ने स्वागत करते हुए एमिटी द्वारा स्वास्थय क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यो और अनुसंधान की जानकारी भी दी।

अहिंसा सबसे शक्तिशाली हथियार हैं : कुँवर बिलाल बर्नी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 34 में स्थित डेफ एसोसिएशन ऑफ नोएडा द्वारा गांधी जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुँवर बिलाल बर्नी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अपने संबोधन में सपा नेता कुँवर बिलाल बर्नी ने कहा कि गांधी जी का मानना था कि अहिंसा सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने सत्याग्रह और अहिंसात्मक प्रतिरोध के माध्यम से भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सभी देशवासियों से गांधी जी के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डेफ एसोसिएशन ऑफ नोएडा के अध्यक्ष गुलशन राय सैनी और अन्य सदस्य उपस्थित थे, जिनमें सुभाष सागर, राहुल धोबी, मनोज, संतोष, हैदर, इमरान, गुड्डू अली, उदयवीर, सत्यवीर सिंह, मोहम्मद अहसान, सुरेंद्र कुमार, मोहम्मद उस्मान, धर्मेंद्र, मोहम्मद असलम, सुरेंद्र कुमार, और मोहम्मद अफरोज़ शामिल थे।

युवाओं ने किया महानवमी पर विशाल भंडारे का आयोजन किया

नोएडा (चेतना मंच)। महानवमी के अवसर पर जीवन अर्पण सामाजिक सेवा संस्था संस्था की ओर से स्थित खजूर कॉलोनी सदपुर से.45 में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी भण्डारे में शुद्ध देसी घी से बनी पूरी - सब्जी और हलवे के प्रसाद का वितरण किया गया। जिसे सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ ग्रहण किया और प्रसाद का आनन्द लिया।

भंडारा प्रारम्भ होने से पहले युवा साथियों ने भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना की तथा कन्या पूजन किया। भंडारा 11बजे प्रात: शुरू हुआ और सांय 4 बजे तक चलता रहा वितरण स्थल पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। सभी युवा साथी प्रसाद वितरण के लिए तन - मन एवं पूरी लगन से लगे रहें। इस मौके पर दीपांशु शर्मा(संस्थापक) ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने वेदों के अनुसार जीवन जीकर आदर्श स्थापित किया। इस पुण्य कार्य में सभी ने बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया और भरपूर सहयोग दिया।

इस अवसर पर निशु उपाध्याय, दीपांशु शर्मा,आर्यन शुक्ला,मनीष राणा,अनमोल सहगल,तुषार गुप्ता,विकास कुशवाहा आदि दिन भर प्रसाद वितरण कार्य में लगे रहे एंव सध्या के समय भण्डारे को सम्पन्न किया।

सेक्टर-76 में महिला को बेहोश कर गहने ले भागे

नोएडा। सेक्टर-76 में दो ठगों ने पैदल जा रही घरेलू सहायिका को रास्ता पूछने के बहाने रोका और उसको बेहोश कर गहने लेकर भाग गए। पीड़िता ने सेक्टर-113 थाने में दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-49 बरौला गांव में रहने वाली प्रीति घरेलू सहायिका है। वह सेक्टर-76 स्थित सिलिकॉन सिटी सोसाइटी में काम करने गईं थीं। वहां से घर लौटते समय प्रिंसली स्टेट सोसाइटी के पास एक युवक मिला। युवक ने प्रीति को रास्ता पूछने के बहाने रोक लिया। जैसे ही प्रीति रास्ता बताने लगी। इसी दौरान दूसरा युवक आया प्रीति के चेहरे पर कुछ छिड़का। इससे प्रीति को बेहोशी सी छाने लगी।

फिर क्या था दोनों आरोपी जो कहते, प्रीति वैसे ही करती। दोनों ने प्रीति के कान से सोने के दो टॉप्स, गले से सोने की चेन, लोकेट उतरवा दिए। उन्होंने गहनों को रुमाल में बांधने को बोला। इसी बीच शातिरों ने प्रीति के रूमाल को बदल दिया।

आरोपी मौके से भाग गए। होश में आने पर पीड़िता घर पहुंची। उन्होंने अपने परिजन को आपबीती सुनाई। महिला ने थाने जाकर शिकायत की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कार कार्रवाई की जाएगी।

गलगोटिया अंडरपास के नीचे स्टंट

दनकौर। यमुना एक्सप्रेसवे के गलगोटिया अंडरपास के नीचे बीच सड़क पर दो कारों से स्टंटबाजी की गई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हुआ। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि दो कारों से स्टंटबाजी की जा रही है। चालक सड़क पर तेज रफ्तार में दोनों कारों को गोल घूमा रहे हैं। दोनों कारों के शीशों पर ब्लैक फिल्म चढ़ी है। इनके आसपास कई और कारें खड़ी हैं। लोगों का कहना है कि सड़क पर यातायात प्रभावित कर स्टंटबाजी की गई। रील बनाने के चक्कर में ऐसा किया गया। आरोपी खुद के साथ दूसरों की जान भी जोखिम में डाल रहे थे।

ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। ट्रैफिक पुलिस द्वारा वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। पुलिस कारों का नंबर ट्रेस कर रही है। पुलिस का कहना है कि कार चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

E-TENDER NOTICE NO. 03/2025 Date- 30.09.2025

उप मुख्य सिग एवं दूर सं इंजी (गतिशक्ति), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ''खुली निविदा'' केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेण्डरिंग) आमंत्रित की जाती है।

E-TENDER NO.	कार्य की लागत	निविदा बन्द दिनांक
आगरा-एसटी-जीएस-2025-03	₹14112949.75	24.10.2025

कार्य का नाम: एसएडंटी कार्य के सम्बन्ध में मथुरा-पलवल खंड में रूंधी स्टेशन पर पायथन ट्रेनों के संचालन के लिए लम्बी लूप लाइन का प्रावधान।

निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त दिनांक को 15.00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नही की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नही किया जाएगा। 1805/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप. मुख्य अभियंता/निर्माण/आरएसपी/एनआर, 901 बी, टॉवर-I, 9वीं मंजिल, कनेक्टस टॉवर, डीएमआरसी बिल्डिंग, अजमेरी गेट, नई दिल्ली-110002 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत ई- निविदा आमंत्रित करते हैं:-

1	कार्य का पूरा नाम	सड़क सुरक्षा परियोजना इकाई (आरएसपीयू) नई दिल्ली के तहत उत्तर रेलवे के एलकेओ डिवीजन में एलकेओ-एवाईसी खंड पर दरियाबाद यार्ड-सैद खानपुर के बीच किमी 1029/4-5 पर लेवलक्रॉसिंग संख्या 156 ए के स्थान पर आरओबी और मुरादाबाद (एमबी) डिवीजन में मुरादाबाद-सहारनपुर (एमबी-एसआरई) खंड पर सोहारा (एसईओ-वाईडी) स्टेशन - कारमेल (सीएजे) स्टेशन के बीच किमी 1445.14 पर लेवलक्रॉसिंग संख्या 446/बी के स्थान पर आरओबी के लिए उनके पहुंच भाग सहित दो 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण।
2	लगभग कार्य की लागत	381,63,51,80.41/- रुपये मात्र (अड़तीस करोड़ सोलह लाख पैंतीस हजार एक सौ अस्सी रुपये और इकतालीस पैसे मात्र।)
3	कार्य समाप्ति की अवधि	18 महीने की अवधि
4	बयाना राशि	20,582,00.00/- मात्र रुपये (बीस लाख अट्ठावन हजार दो सौ)
5	रेलवे पर निविदा दस्तावेज की बिक्री/उपलब्धता	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 01.10.2025 से 24.10.2025 तक उपलब्ध रहेंगे।
6	निविदाएं अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर 24.10.2025, 11:30 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं।
7	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24.10.2025, 11:30 बजे के बाद किसी भी समय।

पत्रांक 18-W-09-2025-WA-DyCEC-RSP दिनांक: 01.10.2025 3048/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

राष्ट्रपिता महात्मा...

कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में भी विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गांधीजी और शास्त्री जी ने हमें सत्य, अनुशासन और सादगी के माध्यम से सेवा और नेतृत्व का जो आदर्श दिया है, वह आज के दौर में और भी अधिक प्रासंगिक है। यदि हम इन आदर्शों को अपने कार्य और आचरण में उतार लें, तो न केवल राष्ट्र बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। विकास भवन के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी दोनों महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज़ को 312.58 करोड़ का ऑर्डर बुक

मुंबई, एजेंसी। एचवीएएक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड एक टर्नकी फार्मास्युटिकल प्रोजेक्ट इंटीग्रेटर, ने महत्वपूर्ण व्यावसायिक मुख्य बिंदु घोषित किए हैं जो इसकी मजबूत विकास गति को सुदृढ़ करते हैं। सितंबर 2025 तक, एचवीएएक्स ने 312.58 करोड़ के एक समेकित ऑर्डर बुक की रिपोर्ट की है। इसके अतिरिक्त, कंपनी 681.53 करोड़ मूल्य के परियोजनाओं के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। एचवीएएक्स ने अस्पताल उद्योग में तेजी से प्रवेश करना शुरू कर दिया है और निकट भविष्य में सफलता पाने को लेकर आशावादी है। कंपनी ने सेमीकंडक्टर और सौर ऊर्जा उद्योगों में अवसरों का मूल्यांकन भी शुरू कर दिया है। कंपनी का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पहले से कार्यरत भागीदारों के साथ मौजूद संबंधों का लाभ उठाकर व्यवसायों का मूल्यांकन और अधिग्रहण करना है, जिससे बाजार में प्रभावी प्रवेश और मजबूत नेटवर्क स्थापित हो सके। भारत के तेजी से बढ़ते अस्पताल सेवा बाजार की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करते हुए, एचवीएएक्स उम्मीद करता है कि वह इन उच्च-विकास क्षेत्रों में अपनी प्रवेश गति को तेज करेगा। इस सहयोगात्मक विस्तार से शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन होगा और स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में सार्थक योगदान मिलेगा। साथ ही, एचवीएएक्स वैश्विक एजेंसियों के साथ रणनीतिक साझेदारी और जीसीसी, एशिया-प्रशांत, और लैटिन अमेरिका क्षेत्रों में विस्तार के अवसरों की खोज के लिए चर्चा कर रहा है। ये क्षेत्र महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, और एचवीएएक्स सटीक, नियमों के अनुरूप, और नवोन्मेषी इन्फ्रास्ट्रक्चर समाधान प्रदान करने में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाने का लक्ष्य रखता है।

आर्डी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सेबी के पास आईपीओ के दस्तावेज़ दाखिल किए

मुंबई, एजेंसी। आर्डी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आर्डी या कंपनी) ने 29 सितंबर, 2025 को ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है, जिसमें 3,200 मिलियन तक का नया इश्यू और 2 अंकित मूल्य के 37,650,000 इक्विटी शेयरों तक का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। आर्डी भारत के चक्रीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है, जो एंड-ऑफ-लाइफ ऊर्जा भंडारण उत्पादों और अलौह स्क्रैप के पर्यावरण के लिए जिम्मेदार तरीके से पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) में विशेषज्ञता रखता है, साथ ही अपशिष्ट धाराओं से महत्वपूर्ण संसाधनों को पुनः प्राप्त करता है। इसके उत्पाद पोर्टफोलियो में शुद्ध सीसा और सीसा मिश्र धातुएं जैसे लेड कैल्शियम मिश्र धातु, लेड एंटीमनी मिश्र धातु, लेड टिन मिश्र धातु, लेड सिल्वर मिश्र धातु और लेड कैडमियम मिश्र धातु शामिल हैं, जिनका उपयोग ऊर्जा भंडारण, ई-मोबिलिटी, ऑटोमोटिव, रसायन, सहित महत्वपूर्ण उद्योगों में होता है। संग्रह, रिसाइक्लिंग और उत्पादन के चक्र को पूरा करके, कंपनी महत्वपूर्ण धातुओं के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करती है, घरेलू संसाधन सुरक्षा को मजबूत करती है, और औद्योगिक विकास के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है। 104,025 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की स्थापित पुनर्चक्रण क्षमता और गुणवत्ता के अनुरूप मिश्र धातुओं के उत्पादन के सुसंगत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, कंपनी भारत के स्थिरता एजेंडे के साथ निकटता से जुड़ी हुई है और एक चक्रीय, संसाधन-कुशल अर्थव्यवस्था की ओर वैश्विक संक्रमण का समर्थन करती है।

डॉ. पुष्कराज ने बताए हृदय रोग से बचाव के उपाय

बैतूल, एजेंसी। हृदय रोग की बढ़ती समस्या आधुनिक जीवनशैली की आदतों से सीधे जुड़ी हुई है। सबसे चिंता की बात यह है कि अब यह केवल बुजुर्गों में ही नहीं, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहा है। डॉ.पुष्कराज शामसुंदर गडकरी, सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने कहा की, खराब खान-पान और नींद की आदतें, व्यायाम की कमी, तंबाकू और शराब का सेवन, तनाव, अधिक समय तक मोबाइल या टीवी का उपयोग, और अनियंत्रित ब्लड प्रेशर और डायबिटीज - ये सभी युवा और मध्य आयु वर्ग में हृदय रोग बढ़ने के मुख्य कारण हैं।

टॉप इकोनॉमिस्ट ने बताया भारत में मैन्युफैक्चरिंग से नहीं होने वाला भला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के प्रोफेसर और जाने-माने अर्थशास्त्री प्रसन्ना तांत्री ने भारत सरकार को एक अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि भारत को अब अपनी नीतियों का ध्यान मैन्युफैक्चरिंग से हटाकर इनोवेशन और सर्विसेज पर लगाना चाहिए। तांत्री का मानना है कि रोबोटिक्स जैसी नई तकनीकों के कारण मैनुअल उत्पादन अब प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। ऐसे में सरकार का यह सोचना कि छोटे और मध्यम स्तर की मैन्युफैक्चरिंग से नौकरियां पैदा होंगी, अब सही नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली नौकरियां गैर-व्यापार योग्य क्षेत्रों में हैं, जिन पर तकनीक का असर कम होता है। तांत्री ने यह भी बताया कि चीन का पुराना मैन्युफैक्चरिंग मॉडल अब भारत के लिए काम नहीं करेगा क्योंकि दुनिया बदल गई है। उन्होंने मेक इन इंडिया की जगह इनोवेट इन इंडिया पर ध्यान देने, पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) की जगह आईएलआई (इनोवेशन लिंक्ड इंसेंटिव) लाने और दुनिया भर से बेहतरीन प्रतिभाओं को भारत में आकर्षित करने का सुझाव दिया है ताकि एक मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम बन सके। रघुराम राजन ने हाल में कहा था कि मैन्युफैक्चरिंग के जरिए रोजगार सृजित करने का समय निकल चुका है। भारत को मस्तिष्क के कौशल पर फोकस्ड नया विकास का रास्ता अपनाना चाहिए।

घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ावा दे रहे हैं

उनका मानना था कि भारत ऐसे समय चीन के मैन्युफैक्चरिंग हब मॉडल को दोहरा नहीं सकता जब वैश्विक व्यापार बाधाएं बढ़ गई हैं। अन्य देश भी अपनी घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रोफेसर तांत्री ने भी रघुराम राजन की बात का समर्थन किया। प्रोफेसर प्रसन्ना तांत्री ने एक पॉडकास्ट में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नीति बनाने वाले अभी भी यह मानते हैं कि छोटे और मध्यम स्तर के मैन्युफैक्चरिंग से नौकरियां मिलेंगी। लेकिन, रोबोटिक्स जैसे तकनीकी बदलावों के कारण हाथ से किया गया उत्पादन अब प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। तांत्री ने सवाल उठाया, मेरा मुद्दा यह है कि आपका ध्यान किस पर है क्या आपका ध्यान मेक इन इंडिया पर होना चाहिए या इनोवेट इन इंडिया पर अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, मेरी गुजारिश है - आप इनोवेट इन इंडिया पर ध्यान दें। उन्होंने आगे समझाया, क्योंकि सरकार सोचती है कि एसएमई और मैन्युफैक्चरिंग में नौकरियां हैं। वे वैसे भी जा रही हैं।

एसईपीसी को एडीएनओसी प्रोजेक्ट्स से

32.63 करोड़ रूपये का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर हासिल

चेन्नई, एजेंसी। एसईपीसी लिमिटेड, जो जल और नगर सेवाओं, सड़कें, औद्योगिक अवसंरचना और खनन क्षेत्रों में विविध उपस्थिति रखने वाली एक प्रमुख इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनी है, ने घोषणा की है कि उसने अबू धाबी की एवेनिर इंटरनेशनल इंजीनियर्स और कंसल्टेंट्स एलएलसी से एडीएनओसी की विभिन्न परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग सेवाएं प्रदान करने हेतु एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्यादेश प्राप्त किया है। यह ऑर्डर, जिसकी कीमत एईडी 13.5 मिलियन (लगभग 32.63 करोड़) है, एसईपीसी के बढ़ते पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। कार्यान्वयन के शेड्यूल और समयसीमा पुरस्कार देने वाली संस्था द्वारा प्रदान किए जाएंगे। व्यवसाय क्षमताओं को मजबूती एसईपीसी जल प्रबंधन, औद्योगिक अवसंरचना, सड़कों और खनन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार जारी रखता है। कंपनी ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और कार्यान्वयन क्षमताओं के समर्थन से बड़े और जटिल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का प्रमाणित रिकॉर्ड बनाया है। अगस्त 2025 में, एसईपीसी को दिल्ली के सिंचाई, ऊर्जा, जल संसाधन विभाग द्वारा बिहार के कैमूर जिले में जमनियां से ककरैत गंगाजल उपवाह सिंचाई योजना के कार्यान्वयन के लिए 442.8 करोड़ का अनुबंध दिया गया। ये सभी अनुबंध मिलकर एसईपीसी की ऑर्डर बुक मजबूत करने, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विविधता लाने, और समग्र विकास गति को तेज करने में प्रगति को उजागर करते हैं। एसईपीसी लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर श्री वेंकटरमणि जयगनेश ने कहा- "एडीएनओसी परियोजनाओं के लिए एवेनिर एलएलसी से मिला यह अंतरराष्ट्रीय कार्य आदेश एसईपीसी की इंजीनियरिंग क्षमताओं में रखे गए विश्वास को दर्शाता है। बिहार में 442.8 करोड़ की सिंचाई परियोजना जीत के तुरंत बाद यह आदेश हमारे ऑर्डर आने की निरंतर गति को दर्शाता है।

एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट भारत में अपने भव्य पदार्पण के साथ

इंदौर, एजेंसी। एच एंड एम गर्व के साथ भारत में एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट के पहले लॉन्च की घोषणा करता है, जो फैशन और होम कॉन्सेप्ट से आगे बढ़कर ब्यूटी के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस पदार्पण के साथ ट्रेंड-ड्रिवेन, समावेशी और सुलभ ब्यूटी लाइनअप पेश किया गया है। इंदौर में यह कलेक्शन ट्रेजर आइलैंड 2, अपोलो प्रीमियर और फीनिक्स सिटाडेल में उपलब्ध होगा। एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट अपने भारत लॉन्च के साथ स्थानीय रूप से निर्मित मेकअप और फ्रेग्रेन्स की क्यूरेटेड रेंज पेश करता है, जिसे वैश्विक स्रोतों से आने वाले ब्यूटी टूल्स के व्यापक चयन के साथ पूरा किया गया है। स्टेटमेंट लिपस्टिक से लेकर लंबे समय तक चलने वाली खुशबू तक, यह असॉर्टमेंट वैश्विक नवाचार और भारतीय शिल्प कौशल का मिश्रण प्रस्तुत करता है, जिससे फैशन और ब्यूटी पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गई है। इस कलेक्शन में मेकअप, फ्रेग्रेन्स और ब्यूटी टूल्स के 200 से अधिक उत्पाद शामिल हैं। प्रमुख लॉन्च में सैटिन आइकॉन लिपस्टिक, मैड फॉर मैट लिक्विड लिपस्टिक, नेवर एंडिंग लैश मस्कारा, और बहुउद्देश्यीय डू-इट-ऑल स्टिक ब्लश शामिल हैं, जो आसान एप्लिकेशन और समृद्ध रंग प्रदान करते हैं। फ्रेग्रेन्स प्रेमियों के लिए, एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट नई एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट नई ईओ डी परफम फॉर्मूला शामिल है, जो अधिक गहरी खुशबू और बेहतर वैल्यू प्रदान करता है। एच एंड एम इंडिया की निदेशक हेलेना कुइलेनस्टिएर्ना कहती हैं - हमें भारत में एच एंड एम ब्यूटी कॉन्सेप्ट पेश करने पर बेहद खुशी है। जिसे और भी खास बनाता है कि हम ॥×रू इंडिया के 10 वर्षों का जश्न मना रहे हैं। यह फैशन और ब्यूटी को अधिक सुलभ बनाने और देशभर में फैशन उत्साही ग्राहकों तक पहुँचने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। एच एंड एम ब्यूटी की ग्लोबल जनरल मैनेजर कैथरीन विग्ज़ेल कहती हैं, इस मील के पत्थर के साथ, हम इतनी विविध और जीवंत मार्केट में एच एंड एम ब्यूटी पेश करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना है जहाँ फैशन और ब्यूटी सहज रूप से एक साथ आएं, और ग्राहकों को ट्रेंड-फॉरवर्ड डिज़ाइन, गुणवत्ता और समावेशिता के साथ प्रेरक लाइनअप मिले। हम चाहते हैं कि हर ग्राहक, चाहे वह स्टोर में शॉपिंग कर रहा हो या ऑनलाइन, एक पूरा लुक लेकर जाए जो आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त करे और ब्यूटी को सभी के लिए मजेदार और सुलभ बनाए।

89 रुपये पर लिस्ट हुई सोलर कंपनी, 10.89 प्रतिशत तक हुआ प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की शेयर बाजारों में अच्छी शुरुआत हुई है। कंपनी के शेयर बीएसई में आज मंगलवार को 10.83 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 389 रुपये के लेवल पर लिस्ट हुए हैं। जोकि इश्यू प्राइस से 38 रुपये अधिक है। बता दें, एनएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 388.50 रुपये के लेवल पर हुई है। लिस्टिंग के बाद सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों में गिरावट आई है। कंपनी के शेयर 330.30 रुपये के लेवल तक लुढ़क गए थे।

23 सितंबर को ओपन हुआ था आईपीओ

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस आईपीओ 23 सितंबर को खुला था। निवेशकों के पास 25 सितंबर तक दांव लगाने का मौका था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 351 रुपये प्राइस बैंड तय किया था। वहीं, 42 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14742 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ा था। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड आईपीओ का साइज 490 करोड़ रुपये का था। कंपनी आईपीओ के जरिए 1.25 करोड़ शेयर जारी किया है। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी ने 14 लाख शेयर जारी किए हैं। बता दें, आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 22 सितंबर को खुला था। कंपनी एंकर निवेशकों से 220.50 करोड़ रुपये जुटाए थे।

68 गुना सब्सक्राइब किया गया था आईपीओ: सोलरवर्ल्ड आईपीओ को 3 दिन में 68 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में कंपनी का आईपीओ 51.69 गुना, क्यूआईबी कैटगरी में 74.24 गुना और एनआईआई कैटगरी में 68.21 गुना सब्सक्राइब किया गया था। कंपनी ने नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त गया था। कंपनी सोलर सेक्टर में काम करती है।

10 टुकड़े में बंट टाटा इनवेस्टमेंट का शेयर, नई ऊंचाई पर दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। टाटा इनवेस्टमेंट के शेयर मंगलवार को बीएसइ में इंट्राडे के दौरान 7 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 9596.75 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन अपने शेयर का बंटवारा करने जा रही है। कंपनी अपने शेयर को 10 टुकड़े में बांट रही है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में पिछले 5 साल में 1000 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

14 अक्टूबर है शेयर के बंटवारे की रिकॉर्ड डेट

टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन पहली बार अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) कर रही है। टाटा ग्रुप की यह मल्टीबैगर कंपनी अपने शेयर को 1:10 के रेशियो में बांट रही है। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट 14 अक्टूबर 2025 तय की है। कंपनी के शेयरधारकों ने पिछले दिनों ही स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटेगी।

5 साल में 1000 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं कंपनी के शेयर

टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर पिछले पांच साल में 1040 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। टाटा ग्रुप की इस मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर 2020 को 840.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 30 सितंबर 2025 को 9596.75 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले चार साल में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 565 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 3 साल में 315 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर 40 पर्सेंट से अधिक उछले हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों में करीब 55 पर्सेंट की तेजी आई है।

पवनः भविष्य की ऊर्जा... उस शक्ति का साक्षी बनें जो इसे आगे बढ़ाती है!

मुंबई, एजेंसी। भारत के पवन ऊर्जा क्षेत्र का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला और सम्मेलन विंडर्जी इंडिया 2025 का सातवाँ संस्करण 31 अक्तूबर तक चेन्नई ट्रेड सेंटर में आयोजित होने जा रहा है। भारत पवन ऊर्जा उत्पादन में तेज़ी से प्रगति कर रहा है और यह आयोजन नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य को आकार देने, जुड़ने और सहयोग करने का एक अनूठा अवसर लेकर आ रहा है।

विंडर्जी इंडिया 2025 एक प्रमुख बिज़नेस-टू-बिज़नेस मंच है, जो नीति निर्माताओं, नियामक प्राधिकरणों, अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू समाधान प्रदाताओं और वैश्विक उद्योग नेताओं को एक साथ जोड़ता है। इस बार यह आयोजन और भी भव्य होगा, जिसमें 20 से अधिक देशों के प्रदर्शक भाग लेंगे और 15,000 से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति की उम्मीद है। डेनमार्क, जर्मनी और स्पेन जैसे प्रमुख पवन ऊर्जा राष्ट्रों के पैवेलियन इस आयोजन की महत्ता को और बढ़ाएँगे।

उद्घाटन सत्र की शोभा केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी और केंद्रीय राज्य मंत्री (नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) श्री श्रीपाद येस्सो नाईक बढ़ाएँगे।

सम्मेलन की कार्ययोजनाः 350 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों के साथ होने वाले इस भव्य व्यापार मेले के साथ-साथ 29 और 30 अक्तूबर को उच्चस्तरीय पैनल चर्चाएँ और राउंडटेबल सत्र भी आयोजित होंगे।

175 तक जा सकते विशाल मेगा मार्ट के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। विशाल मेगा मार्ट के शेयर मंगलवार को करीब 3 पर्सेंट की तेजी के साथ 147.60 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 42 पर्सेंट की तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। घरेलू ब्रोकरेज हाउस जेएम फाइनेंशियल ने विशाल मेगा मार्ट के शेयरों का कवरेज शुरू किया है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 157.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 96.05 रुपये है।

जेएम फाइनेंशियल ने दिया है 175 रुपये का टारगेट

घरेलू ब्रोकरेज हाउस जेएम फाइनेंशियल ने विशाल मेगा मार्ट के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 175 रुपये का टारगेट दिया है। यानी, मंगलवार के क्लोजिंग लेवल से विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में 18 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस ने अपने नोट में कहा है कि महत्वाकांक्षी मिडिल और लोअर मिडिल-इनकम क्लास के लिए विशाल मेगा मार्ट एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। विशाल मेगा मार्ट एफएमसीजी (28 पर्सेंट), अपैरल (44 पर्सेंट) और जनरल मर्चेंडाइज (28 पर्सेंट) इन 3 प्रमुख कैटेगरीज में प्रॉडक्ट्स ऑफर करता है। विशाल मेगा मार्ट 472 शहरों में 717 स्टोर्स ऑपरेट करती है।

आईपीओ प्राइस से 85 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं विशाल मेगा मार्ट के शेयरः विशाल मेगा मार्ट के शेयर अपने आईपीओ प्राइस के मुकाबले 85 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। आईपीओ में विशाल मेगा मार्ट के शेयर का दाम 78 रुपये था। कंपनी के शेयर 29 सितंबर 2025 को 147.60 रुपये पर बंद हुए हैं। विशाल मेगा मार्ट का आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 दिसंबर 2024 को खुला था और यह 13 दिसंबर तक ओपन रहा। विशाल मेगा मार्ट के शेयर 18 दिसंबर 2024 को 110 रुपये पर लिस्ट हुए थे।

मरीजों को राहत; दवाइयों पर हर महीने होगी बड़ी बचत

मुंबई, एजेंसी। भारत में डायबिटीज, बीपी और हृदय रोग जैसी बीमारियों से जूझ रहे करोड़ों मरीज हर महीने हज़ारों रुपए दवाइयों पर खर्च करते हैं। खर्च ज्यादा होने से कई बार लोग इलाज अधूरा छोड़ देते हैं। इसी समस्या को हल करने के लिए प्लैटिनमआरएक्स मरीजों को ब्रांडेड जेनेरिक दवाइयाँ 50-60 प्रतिशत तक कम दामों पर उपलब्ध करा रहा है। देशभर के 10 लाख से ज्यादा लोग अब नियमित रूप से प्लैटिनमआरएक्स मोबाइल ऐप से दवाइयाँ मँगवा रहे हैं। ये दवाएँ 100% साल्ट कंपोज़िशन वाली होती हैं और असर में बड़े ब्रांड्स के बराबर हैं।

बादाम जैसे अधिक संतोषजनक विकल्प चुनें : सोहा अली

भोपाल। भारत का त्यौहारों का मौसम भव्यता, खुशी और लज़ीज़ मिठाइयों व नमकीन व्यंजनों से भरी दावतों का पर्याय है। त्यौहारों के इन स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लेना बिल्कुल सही है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा खाने से शरीर भारी और असहज महसूस कर सकता है। साल के अंत तक लगातार त्योहारों की धूम को देखते हुए, अभिनेत्री, लेखिका और समर्पित माँ सोहा अली खान अपना वेलनेस गाइड साझा कर रही हैं, जिसके जरिए वह स्वास्थ्य से समझौता किए बिना त्योहारों का भरपूर आनंद ले पाती हैं।

उनकी सलाह है कि जब भी आप बाहर जाएँ, अपने साथ हमेशा कैलिफ़ोर्निया बादाम की एक मुट्ठी रखें। तले हुए या मीठे खाद्य पदार्थों की बजाय, वह बादाम जैसे अधिक संतोषजनक विकल्प चुनने की सलाह देती हैं। सोहा कहती हैं, एक मुट्ठी कैलिफ़ोर्निया बादाम पेट भरे होने का एहसास कराते हैं, जिससे भोजन के बीच भूख को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। इनमें डाइटरी फाइबर, विटामिन ई और विटामिन बी12 सहित कई पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

नेशनल स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025:

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के लिए आवेदन शुरू

खेल जगत के लिए बड़ा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 2025 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने सभी पात्र खिलाड़ियों, कोचों और खेल संस्थाओं को आवेदन करने का अवसर दिया है। यह पुरस्कार भारत में खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

आवेदन प्रक्रिया

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को मंत्रालय द्वारा उपलब्ध डेडिकेटेड पोर्टल पर जाकर फॉर्म भरना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्तूबर 2025, रात 11~59 बजे है।

पुरस्कार की श्रेणियां

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 में चार प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, बल्कि देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना भी है।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार – खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और उत्कृष्ट योगदान के लिए। **अर्जुन पुरस्कार** : खेल में उल्लेखनीय प्रदर्शन और लगातार उत्कृष्टता दिखाने वाले खिलाड़ियों के लिए।

द्रोणाचार्य पुरस्कार : खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और कोचिंग में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कोचों के लिए।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार : खेल संस्थाओं और कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए।

पहले युवा टेस्ट में दीपेश के 5 विकेट, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 243 पर समेटा

ब्रिस्बेन, एजेंसी। तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन के 5 विकेट की बदौलत भारत अंडर-19 ने मंगलवार को यहां पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को 243 रनों पर समेटकर पहला दिन अपने नाम कर लिया। तमिलनाडु के 17 वर्षीय क्रिकेटर दीपेश ने 16.2 ओवर में 45 रन देकर 5 विकेट चटकाए जबकि किशन कुमार ने 16 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट चटकाकर शानदार सहायक भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम 91.2 ओवर में ऑल आउट हो गई।

वन-डाउन बल्लेबाज स्टीवन होगन ने 246 गेंदों पर 92 रनों की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए शीर्ष स्कोरर का काम किया। उन्होंने अकेले ही संघर्ष किया जबकि उनके कुछ साथी बल्लेबाज़ों ने गेंद को गोल में डालने के बाद दम तोड़ दिया। जेड हॉलिक ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे जिन्होंने 94 गेंदों पर 38 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने इयान हीली ओवल में 30 रन पर दो विकेट गंवा दिए जिसमें दीपेश और किशन कुमार ने एक-एक सफलता हासिल की। ऑफ-स्पिनर अनमोलजीत सिंह ने कप्तान विल मलाजचुक (21) का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को पहले ही सत्र में तीन विकेट पर 78 रन पर मुश्किल स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद खिलन पटेल और दीपेश ने हॉलिक और विकेटकीपर साइमन बज को आउट कर दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 5 विकेट पर 167 रन हो गया।

पहले दिन एक भी अच्छी साझेदारी न बन पाने से ऑस्ट्रेलिया को नुकसान हुआ, क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने घरेलू टीम के बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए अनुशासित लाइन और लेंथ बनाए रखी। दो मैचों की युवा टेस्ट श्रृंखला से पहले दोनों टीमें तीन मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में आमने-सामने हुई जिसे आयुष म्हात्रे की अगुवाई में भारत ने 3-0 से जीता। मेहमान भारत ने पहला युवा एकदिवसीय मैच 57 रनों से जीता और उसके बाद अन्य मैचों में 51 और 167 रनों के अंतर से श्रृंखला जीत ली। दूसरा युवा टेस्ट मैच 7-10 अक्टूबर तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला जाएगा।

एशिया कपः

मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता, भारत लौटे तिलक वर्मा का बड़ा बयान

हैदराबाद, एजेंसी। एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के सूत्रधार रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों की छींटाकशी और आक्रामकता का सर्वश्रेष्ठ जवाब खिताब जीतना ही था और उन्होंने शुरूआत में बने दबाव से सहज पार पा लिया था। तिलक के नाबाद 69 रन की मदद से भारत ने दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल में 5 विकेट से जीत दर्ज की। तिलक ने दुबई से कल रात देश वापस पहुंचने के बाद कहा, 'शुरूआत में कुछ दबाव और तनाव था लेकिन मैने सबसे ऊपर अपने देश को रखा और मैं देश के लिए जीतना चाहता था। मुझे पता था कि दबाव के आगे घुटने टेक दूंगा तो अपने आप को और देश के 140 करोड़ लोगों को निराश करूंगा। उन्होंने कहा, 'मैने बेसिक्स पर भरोसा रखा जो मैने शुरूआती दिनों में अपने कोचों से सीखे थे और उसका अनुसरण किया। उन्हें सबसे सही

जवाब यही था कि हम एशिया कप जीत जाएं और हमने वही किया।

तिलक ने स्वीकार किया कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैच में जमकर छींटाकशी की लेकिन उन्होंने खामोश रहना पसंद किया। उन्होंने कहा, 'हमने तीन विकेट जल्दी गंवा दिए थे और माहौल काफी गर्म हो गया था। मैं जल्दी बल्लेबाजी करने आ गया लेकिन मैने किसी को कुछ नहीं कहा और ना ही कोई खराब शॉट खेलकर टीम और देश को निराश किया। उन्होंने कहा कि एक बार भारत जीत गया तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैने के दौरान मेरा फोकस बेसिक्स पर था और मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता था। मुझे जो कुछ कहना था, वह मैने मैच के बाद कहा। मैच में बहुत कुछ चल रहा था जो मैं बता नहीं सकता। भारत और पाकिस्तान के मैचों में यह होता है लेकिन हमारा फोकस मैच जीतने पर था। भारत को आखिरी ओवर में दस रन चाहिए थे और तिलक ने कहा कि वह तब तक दबाव से ऊपर उठ चुके थे। उन्होंने कहा, 'मुझ पर आखिरी ओवर में दबाव नहीं था। मुझे पता था कि मैं मैच जिता दूंगा। मैं अपने देश के बारे में ही सोच रहा था और गेंद दर गेंद रणनीति बना रहा था। मुझे गर्व है कि मैं यह कर सका।

ओलिंपियन दीपक पूनिया ने सगाई की:पिता के प्रॉपर्टी डीलर दोस्त की बेटी से हुआ रिश्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में झज्जर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और ओलिंपियन दीपक पूनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। रविवार को बहादुरगढ़ में उनकी शिवानी के साथ रिंग सेरेमनी हुई। शिवानी निलौठी गांव की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना आईएएस अफसर बनने का है। शिवानी और दीपक के पिता अच्छे दोस्त हैं। दोनों परिवारों ने दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए दोनों बच्चों का रिश्ता तय किया है। रविवार को हुए रिंग सेरेमनी प्रोग्राम में सिर्फ दोनों परिवार और करीबी ही शामिल हुए। दीपक के पिता का कहना है कि जल्द ही दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख तय की जाएगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025:

सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया का मुकाबला न्यूजीलैंड से

इंदौर, एजेंसी। सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलियाई महिला टीम द्वष्ट्र महिला वनडे विश्व कप 2025 में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरूआत करना चाहेगी। मौजूदा टी20 चैम्पियन न्यूजीलैंड से चुनौती निश्चित रूप से कड़ी होगी, लेकिन आस्ट्रेलिया को अपनी आंतरिक रणनीतियों और टीम संतुलन पर भी ध्यान देना होगा।

टीम संतुलन और खिलाड़ियों की स्थिति – आस्ट्रेलिया के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अंतिम एकादश में संतुलन बनाना बड़ी चुनौती है। बायें हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहेम चोट से उबर चुकी हैं। अब टीम प्रबंधन को तय करना है कि वेयरहेम और अलाना किंग के रूप में दो लेग स्पिनरों को उतारा जाए या मोलिनू को शामिल करके आक्रमण में विविधता लाई जाए। तेज गेंदबाजी में मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, एलिसे पैरी, ताहलिया मैकग्रा और डार्सी ब्राउन जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूती देंगे। बल्लेबाजी में कप्तान एलिसा हीली, बेथ मूनी, फीबी लिचफील्ड और एशले गार्डनर मोर्चा संभालेंगी। भारत के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर चुकी जॉर्जिया वोल भी टीम का अहम हिस्सा हैं।

न्यूजीलैंड के पास भी मजबूत दांव – न्यूजीलैंड टीम के पास अनुभवी खिलाड़ी सोफी डेवाइन, सूजी बेट्स, ली ताहुहू, एमेलिया केर, मैडी ग्रीन हैं। इसके अलावा युवा खिलाड़ी जॉर्जिया प्लिमर, पोली इंग्लिस, एडेन कारसन और इज़ी गेज भी टीम में शामिल हैं। पिछले साल यूएई में टी20 विश्व कप जीतकर न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास ऊंचा है, लेकिन वनडे क्रिकेट में लंबा ब्रेक उन्हें चुनौती दे सकता है। टीम ने चेन्नई और अबुधाबी में छ्त्ष्ट्य अकादमी में अभ्यास किया और बेंगलुरु में अभ्यास मैच भी खेले।

टीमें: आस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहेम।

न्यूजीलैंड: सोफी डेवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कारसन, फ्लोरा डेवोनशर, इज़ी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हालीडे, ब्री इलिंग, पोली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मायेर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहुहू।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान टीम में शामिल

एशिया कप में 10 विकेट लेने वाले शाहीन अफरीदी की 12 महीने बाद वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपना अभियान 12 अक्टूबर से शुरू करने जा रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे 12 से 24 अक्तूबर तक दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस सीरीज के लिए मंगलवार 30 सितंबर को पाकिस्तान का 18 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है। इस टीम में शाहीन अफरीदी की वापसी हुई है। शाहीन ने आखिरी टेस्ट पिछले साल अक्तूबर में ही खेला था। वहीं बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। इसके अलावा तीन अनकैप्ड खिलाड़ी भी इस सीरीज के लिए चुने गए हैं जो अपना डेब्यू भी करते नजर आ सकते हैं। नसीम शाह को इस टीम में जगह नहीं मिली है।

पाकिस्तान की टीम 12 से 16 अक्टूबर तक लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगी। फिर सीरीज का दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच

रावलपिंडी में 20 से 24 अक्तूबर तक खेला जाएगा। पाकिस्तान के इस स्क्वाड की बात करें तो अभी इसमें कई बदलाव होने की संभावना है जिसकी जानकारी बोर्ड ने दी है। इतना ही नहीं पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभी इस 18 सदस्यीय स्क्वाड से कुछ खिलाड़ियों को बाहर भी किया जा सकता है। लेकिन शान मसूद आगे भी इस टेस्ट टीम की कमान संभालते नजर आएंगे।

कैसा रहा पाकिस्तान का प्रदर्शन

अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पिछले तीन संस्करण में पाकिस्तान के प्रदर्शन की बात करें तो एक बार भी टीम टॉप 2 में जगह नहीं बना पाई है। साल 2019 से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का आगाज हुआ था। उसके बाद से पाकिस्तान ने अभी तक 40 मुकाबले खेले हैं जिसमें से 13 में सिर्फ उसे जीत मिली है जबकि 20 में हार का सामना करना पड़ा है। सात मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। पाकिस्तान का इस टूर्नामेंट के ओवरऑल रिकॉर्ड में विनिंग पर्सेंट 40 से भी कम (32.50) है। साल दर साल टेस्ट चैंपियनशिप में पाकिस्तान का परफॉर्मेंस ग्राफ गिरता गया है। पहले संस्करण में पाकिस्तान की टीम पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर थी। उसके बाद दूसरे व तीसरे संस्करण में टीम क्रमश~ 7वें व 9वें स्थान पर रही थी।

पाकिस्तान का स्क्वाड

शान मसूद (कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्लाह शफीक, अबरार अहमद, आसिफ अफरीदी, बाबर आजम, फैसल अकरम, हसन अली, इमाम उल हक, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद रिजवान, नोमान अली, रोहैल नाजिर, सलमान अली आघा, सउद शकील, शाहीन शाह अफरीदी।

भारत Vs वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीजः

कोहली-रोहित-अश्विन के बाद नई शक्ल में उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में होगी. 7 साल बाद वेस्टइंडीज भारत में टेस्ट खेलने आ रही है. आखिरी बार दोनों टीमों की भिड़ंत अक्टूबर 2018 में हुई थी. सीरीज का दूसरा मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा. दोनों मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे. 2024 में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था. इस नतीजे ने पूरी सीरीज की धारणा बदल दी है. भारत इस बार साबित करना चाहेगा कि वह केवल एक अपवाद था, लेकिन टीम अभी भी उस हार के प्रभाव से उबर रही है. इसके साथ ही, टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों का संन्यास भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है- पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, लंबे समय तक टीम के नंबर 4 बल्लेबाज रहे विराट कोहली, और घरेलू टीम में पहले नाम के रूप में खेलते रहे आर. अश्विन अब टीम का हिस्सा नहीं हैं.

क्यों अहम है यह सीरीज – यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है. भारत पहले ही इंग्लैंड दौरे पर 2-2 से सीरीज ड्रॉ कर चुका है और अब उसके पास घरेलू मैदान पर अंक जुटाने का मौका होगा. भारत फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज छठे पायदान पर है. कैरेबियाई टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया से 0-3 से हार झेली थी, जिसमें एक मैच में वे महज 27 रनों पर ऑल आउट हो गए थे ।

नेपाल-वेस्टइंडीज:नेपाल ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज को दूसरे टी 20 में हराकर सीरीज पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल ने सोमवार (29 सितंबर) को वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 में 90 रन से हराकर इतिहास रच दिया। नेपाल की टीम ने पहली बार किसी आईसीसी की फुल मेंबर टीम के खिलाफ सीरीज जीती। नेपाल ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ मैच में जीत दर्ज की थी। नेपाल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को 90 रनों से रौंद दिया। सीरीज जीतने की आस में पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की शुरुआत खराब रही। अकील हुसैन ने मैच के दूसरे ही ओवर में विकेट चटकाया। उन्होंने कुशल भुर्तेल को पवेलियन भेजा। हुसैन ने चौथे ओवर में कप्तान रोहित पौडेल को क्लीन बोल्ड कर दिया। नेपाल का स्कोर 4 ओवर में 2 विकेट पर 16 रन हो गया। आसिफ शेख ने अच्छी बल्लेबाजी करके नेपाल को पावरप्ले के अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आसिफ शेख और संदीप जोरा के बीच शतकीय साझेदारी – इसके बाद कुशल मल्ला रन आउट हो गए। फिर आसिफ शेख और संदीप जोरा के बीच शतकीय साझेदारी ने पूरी कहानी पलट दी। शेख शानदार लय में दिखे। इसके बाद जोरा ने लगातार चौके जड़े और फिर फैबियन एलन और नवीन बिदेसी की गेंदों पर छक्का जड़ा।

जोरा ने हैट्रिक सिक्स के प्रयास में विकेट गंवाया – छक्कों की बरसात हो रही थी। नेपाल की इस जोड़ी ने वेस्टइंडीज पर दबाव बनाए रखा। दोनों मे अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। जोरा ने जेडिया ब्लेड्स को लगातार दो छक्के जड़े, लेकिन हैट्रिक की कोशिश में वह आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने आखिरकार शतकीय साझेदारी तोड़ दी।

वेस्टइंडीज 2 ओवर में 3 रन बनाए – पारी के आखिरी ओवर में एक-दो छक्के और पारी के आखिरी ओवर में छक्के की मदद से नेपाल ने पारी का मजबूत अंत किया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज जल्द ही बैकफुट पर आ गई। पहले दो ओवरों में कुल मिलाकर सिर्फ 3 रन बने। इसका नतीजा यह हुआ कि ज्वेल एंड्रयू एक सीधी गेंद पर बोल्ड हो गए।

मोहम्मद आदिल आलम ने मध्यक्रम को बिखेरा – शीर्ष क्रम के तीनों बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू 2, काइल मेयर्स 6 और कीसी कार्टी 1 रन दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। पांच ओवर के बाद, वेस्टइंडीज का स्कोर 7/2 था और मोहम्मद आदिल आलम ने मध्यक्रम को बिखेर कर रख दिया।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया: वनडे सीरीज से बाहर होंगे हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप 2025 के फाइनल में खेलते नहीं नजर आए थे। वहीं श्रीलंका के खिलाफ सुपर 4 के आखिरी मुकाबले में भी उन्होंने सिर्फ एक ओवर डाला और बाहर चले गए थे। दरअसल उस मुकाबले में हार्दिक एक समस्या से जूझ रहे थे। मैच के बाद जानकारी सामने आई थी कि हार्दिक पंड्या क्वाड्रिसेप्स (जांघ और घुटने के बीच) की इंजरी के कारण मैदान के बाहर चले गए थे। रवि शास्त्री ने भी कमेंट्री के दौरान इसकी जानकारी दी थी। ऐसी स्थिति में उन्हें फाइनल खेलने का मौका नहीं मिला और उनके ना होने पर शिवम दुबे ने उनकी कमी को पूरा किया था। इस इंजरी के बाद वह तकरीबन चार हफ्ते तक टीम से बाहर भी रहे सकते हैं। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 से 25 अक्तूबर तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से उनका बाहर होना लगभग तय माना जा सकता है। हालांकि, अभी आधिकारिक मुहर लगने का इंतजार है मगर ऐसी इंजरी में चार सप्ताह का समय रिकवर होने में लगता है। यानी वनडे सीरीज से बाहर होने के बाद टी20 सीरीज में वह भारतीय टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इस पर भी कोई पुष्टि नहीं है। पूरी जानकारी तभी मिलेगी जब बीसीसीआई की तरफ से ऑस्ट्रेलिया दौरे का स्क्वाड जारी किया जाएगा। भारतीय टीम वनडे के बाद 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच टी20 मैचों की भी सीरीज खेलेगी। गौरतलब है कि हार्दिक की गैरमौजूदगी में वनडे टीम में बतौर पेस ऑलराउंडर उनकी जगह कौन लेगा। ऐसे में एक नाम उस खिलाड़ी का सामने आता है जिसने 2019 में वनडे डेब्यू किया था और तब से आज तक सिर्फ चार वनडे मैच भारत के लिए खेले हैं।

कौन ले सकता है वनडे टीम में हार्दिक की जगह – एशिया कप 2025 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दांव चला था जो भारतीय टीम के लिए भविष्य में वनडे में भी बतौर विकल्प काम आ सकता है। सूर्या ने हार्दिक के बाहर होने पर शिवम दुबे से उनकी कमी पूरी करवाई थी और नई गेंद से पहला ओवर दिया था। इसके बाद ठीकठाक इकॉनमी से शिवम ने तीन ओवर फेंके थे। बल्लेबाजी में वह तिलक वर्मा के साथ भारतीय टीम के लिए जीत के हीरो भी साबित हुए थे। अब वनडे सीरीज से अगर हार्दिक बाहर होते हैं तो शिवम दुबे को टीम इंडिया में बतौर पेस ऑलराउंडर जगह मिल सकती है। क्योंकि शिवम के अलावा वर्तमान में कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो टीम इंडिया में हार्दिक को रिप्लेस कर सकता है। मगर गेंदबाजी में शिवम दुबे को काफी कड़ी मेहनत करनी होगी।

6 साल में खेले सिर्फ चार वनडे मैच – शिवम दुबे के करियर की बात करें तो उन्होंने 6 साल में सिर्फ चार वनडे मुकाबले खेले हैं। शिवम ने साल 2019 में वनडे डेब्यू किया था। विराट कोहली की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में दुबे को वनडे डेब्यू का मौका मिला था। उसके बाद से अभी तक वह सिर्फ चार वनडे मैच ही खेल पाए हैं। साल 2024 में आखिरी बार श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने एकदिवसीय मुकाबला खेला था। उन्होंने भारत के लिए चार वनडे मैच खेलते हुए सिर्फ 43 रन बनाए हैं और एक विकेट लिया है। जबकि टी20 इंटरनेशनल में उनके नाम 41 मैचों में 18 विकेट और 581 रन दर्ज हैं। अब देखना होगा कि क्या टी20 के बाद वनडे में भी मैनेजमेंट और कप्तान शिवम पर हार्दिक की गैरमौजूदगी में विश्वास जताते हैं या नहीं।

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्रदय और ह्रदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

मशरूम की खेती

मशरूम की उपयोगिता

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

3. लकड़ी के सांचे - 45ग्30ग्15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ग्29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

7. टाट के बोरे 8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

9. एक स्प्रेयर 10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ग्8 मी. आकार का।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उष्मायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0X2.5X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकार खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से.से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत= जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से.मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अत=, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

1. हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

1. नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

2. मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

3. कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण :घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

4. शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

आयुष्मान ने थामा को बताया खास फिल्म

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आयुष्मान पहली बार इस यूनिवर्स हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में हाल ही में हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान ने इस यूनिवर्स में शामिल होने पर खुशी जताई। साथ ही उन्होंने 'थामा' को अपने लिए एक स्पेशल फिल्म भी बताया।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बोलते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। मैं हमेशा से मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बनना चाहता था। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला यूनिवर्स है। एक आम इंसान होने के नाते, मेरे आस-पास असामान्य चीजें हैं, मेरे आस-पास अलौकिक शक्तियां हैं, मुझे नहीं पता कि मैं इन सबका क्या करूं। इसलिए यह बहुत ही अनोखा है। यह दुनिया थामा के साथ अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही है। यह वाकई रोमांचक है। यह मेरे लिए नया है।' 'थामा' को एक फैमिली एंटरटेनर बताते हुए आयुष्मान ने कहा कि फिल्म में कॉमेडी ज्यादा और हॉरर कम है। यह पहली बार है जब मेरी कोई फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है। मैं दोगुना उत्साहित हूं। हर अभिनेता की यह बकेट लिस्ट होती है। थामा हॉरर जगत में बहुत कुछ जोड़ेगा और यह इस यूनिवर्स की कहानी को भी आगे बढ़ा रहा है।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'थामा' दिवाली के मौके पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'थामा' हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। 2018 में 'स्त्री' से शुरू हुए इस यूनिवर्स में अब तक 'भेड़िया', 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्में शामिल हैं।

सूर्या-ज्योतिका की बेटी दीया की फिल्मों में एंट्री

साउथ स्टार सूर्या और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस ज्योतिका की एक्टिंग विरासत को अब उनकी बेटी दीया सूर्या आगे ले जा रही हैं। हालांकि, दीया ने माता-पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नहीं, बल्कि बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। दीया ने पारिवारिक बैनर 2डी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित डॉक्यू-ड्रामा शॉर्ट फिल्म लीडिंग लाइट से निर्देशन में कदम रखा है। लीडिंग लाइट बॉलीवुड में काम करने वाली महिला क्रू के सफर पर केंद्रित है। मौजूदा वक्त में यह फिल्म लॉस एंजिल्स के रीजेंसी थिएटर में ऑस्कर क्वालीफाइंग रन के लिए प्रदर्शित हो रही है, जो दीया के करियर की एक शानदार शुरुआत है। लीडिंग लाइट एक डॉक्यूमेंट्री ड्रामा है, जो फिल्म मेकिंग में पर्दे के पीछे रहकर लाइटनिंग का काम करने वाली महिलाओं के जीवन और उनके सफर को दिखाती है। यह एक ऐसा पहलू और लोग हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनकी कहानियां शायद ही कभी पर्दे पर दिखाई देती हैं। ऐसे में एक ऐसे विषय पर बनी फिल्म से अपनी शुरुआत करना दीया की हिम्मत को दिखाता है। यह शॉर्ट फिल्म 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रीजेंसी थिएटर में हर दिन प्रदर्शित हो रही है। अपने नए नजरिये और जबरदस्त कहानी कहने के अंदाज से लीडिंग लाइट दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

सूर्या और ज्योतिका हैं निर्माता

इस फिल्म के निर्माता सूर्या और ज्योतिका हैं, जिन्होंने अपनी बेटी के इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट किया है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले, हमें दीया सूर्या द्वारा निर्देशित एक डॉक्यू-ड्रामा लीडिंग लाइट का समर्थन करते हुए गर्व हो रहा है। यह बॉलीवुड की महिला क्रू के जीवन पर आधारित है।

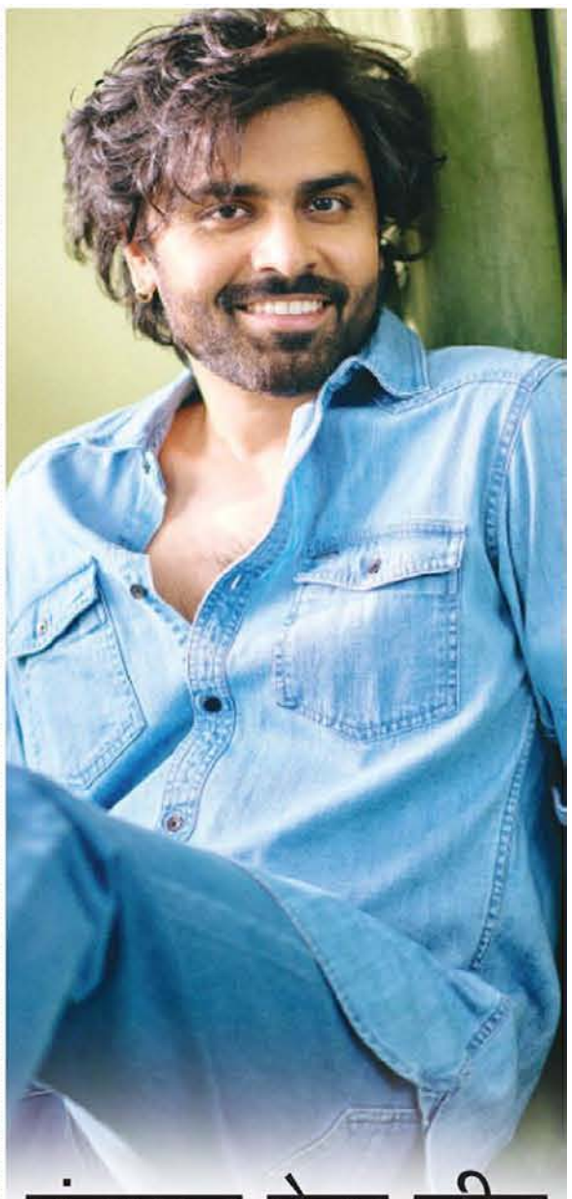

पंचायत फेम जीतू भैया के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी

अरशद वारसी इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच उनकी आगामी फिल्म का एलान हो गया है, जिसमें वे पंचायत सीरीज फेम जीतू भैया यानी एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। अरशद वारसी की आगामी फिल्म का आज शनिवार को एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है।

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म

यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लॉट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की भयावह पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म सस्पेंस, इमोशन और ड्रामा का मिश्रण है। यह फिल्म जी5 पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है।

फोर्स 3 में एक्शन करती नजर आएंगी मीनाक्षी चौधरी

जॉन अब्राहम की सुपरहिट एक्शन फैंचाइजी फोर्स के फैंस के लिए खुशखबरी है। खबर है कि फोर्स 3 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार पर्दे पर जॉन अब्राहम एक्शन के साथ ही एक दमदार कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन सबसे खास बात यह है कि इस फिल्म में साउथ सिनेमा की सनसनी मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किए जाने की खबर है। थलपति विजय की गोट, महेश बाबू की गुंटूर करम और नानी की हिट 2 के साथ ही इस हसीना ने दुलकर सलमान की लकी भास्कर में भी हर किसी का दिल जीता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वेंकटेश के साथ संक्रांति वस्तुनम में नजर आ चुकीं मीनाक्षी को फोर्स 3 के लिए साइन कर लिया गया है। इसमें कहा गया है, कई नामों के ऑडिशन के बाद जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने फोर्स 3 में मीनाक्षी चौधरी को फाइनल कर लिया है। जॉन की तरह ही फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी एक्शन करती नजर आएंगी। वह अगले कुछ महीनों में एक्शन वर्कशॉप में हिस्सा लेंगी।

राकेश मारिया बायोपिक के बाद फोर्स 3 की शूटिंग करेंगे जॉन अब्राहम

बहरहाल, चर्चा ये भी है कि फोर्स 3 की शूटिंग इसी साल नवंबर 2025 में शुरू हो जाएगी। फिलहाल, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है। जॉन अब्राहम इन दिनों रोहित शेट्टी के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं। इसके तुरंत बाद वह फोर्स 3 की शूटिंग शुरू कर देंगे।

डेंटल सर्जन, स्टेट लेवल स्विमर, बैडमिंटन प्लेयर भी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी चौधरी ने चंडीगढ़ के सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। वह स्टेट लेवल की स्विमर और बैडमिंटन खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। मॉडलिंग से सिनेमा की दुनिया में आने वाली मीनाक्षी ने पंजाब के नेशनल डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, डेरा बस्सी से डेंटल सर्जरी की डिग्री भी ली है।

मिस इंडिया इंटरनेशनल रह चुकी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी ने साल 2018 में मिस इंडिया कंपीटिशन में भी हिस्सा लिया था और मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज जीता। इसके बाद मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2018 में वह फर्स्ट रनरअप चुनी गई।

माधवन ने बताया बॉलीवुड में एक्टर्स क्यों नहीं उठाते जोखिम

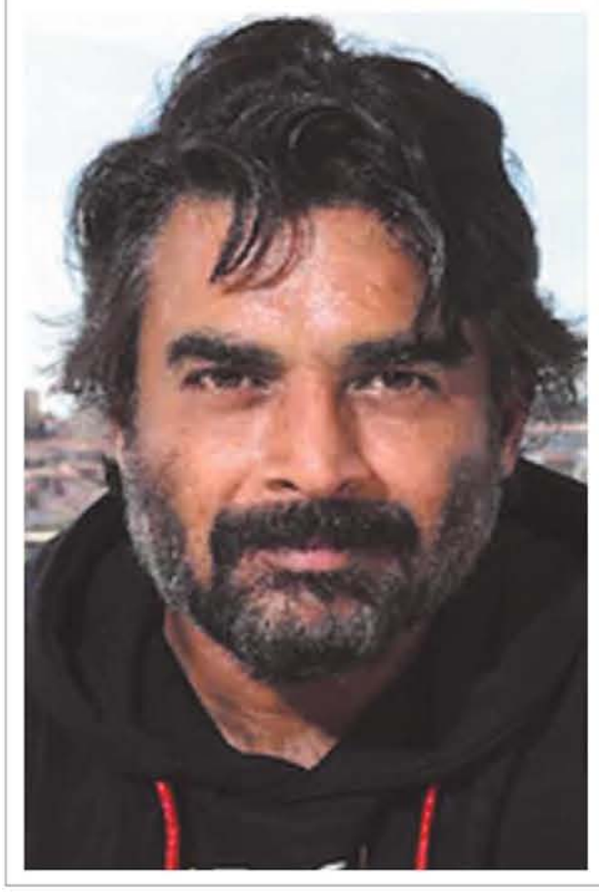

अभिनेता आर माधवन शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी बेबाकी और मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने के लिए भी जाने जाते हैं। अब माधवन ने बॉलीवुड में बचत या सेविंग के अभाव पर बात की है। साथ ही उन्होंने हॉलीवुड में एक्टर्स को मिलने वाली रॉयल्टी का भी जिक्र किया। इस दौरान एक्टर ने शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार्स के प्रोड्यूसर बनने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया दी।

मेरी तीन फिल्में ही भर सकतीं पीढ़ियों का पेट अक्षय राठी के साथ एक इंटरव्यू में आर माधवन ने बॉलीवुड में एक्टर्स के पास पैसों की बचत न हो पाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इनसिक्योरिटी की वजह से अभिनेता जोखिम उठाने से बचते हैं। हॉलीवुड में क्योंकि सितारे अपने पिछले काम के लिए लगातार पैसा कमाते रहते हैं, इसलिए वो बड़े जोखिम उठाते हैं। अगर भारत में भी ऐसा ही मॉडल होता, तो मेरी सिर्फ तीन हिट फिल्मों '3 इडियट्स', 'रंग दे बसंती' और 'तनु वेड्स मनु' से ही पीढ़ियों का पेट भरने के लिए पर्याप्त पैसा होता।

ए लिस्ट स्टार्स की सैलरी पर बोले माधवन

स्टार्स की लाइफस्टाइल को लेकर माधवन ने कहा कि सितारे एक खास जीवनशैली के आदी हो जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग यह समझते हैं कि उन्हें अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहिए। ए-लिस्ट स्टार्स की सैलरी इतनी होती है कि वे जिंदगी भर इसी जीवनशैली को जी सकते हैं।

अगर मैं एक हॉलीवुड अभिनेता होता और मेरे पास इतनी सारी हिट फिल्में होतीं, तो क्या आपको लगता है कि मैं किसी जोखिम भरे प्रोजेक्ट में हाथ डालने से पहले दोबारा सोचता? मैं तुरंत उसमें कूद पड़ता, क्योंकि मुझे पता था कि मेरी आने वाली पीढ़ियों का ध्यान सिर्फ तीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों से ही रखा जा सकता है। लेकिन जब आपको पता होता है कि पेंशन नहीं है, लेकिन आपने एक ऐसी जीवनशैली बना ली है जिसे आपको बनाए रखना है, तो आप सोचने लगते हैं, पैसे तो ले लो, पता नहीं कल मिलेगा के नहीं।

इंडस्ट्री में असमान पेमेंट पर कोई नहीं बोलता

माधवन ने कहा कि इंडस्ट्री में असमान पेमेंट अब एक आम बात है, लेकिन कोई भी उसे चुनौती नहीं देना चाहता। क्योंकि उनके पास समय या संसाधन नहीं हैं। जैसे ही बकाया राशि संभव होगी, मुझे यकीन है कि हर कोई इसमें शामिल होना चाहेगा क्योंकि तब आप अपनी पसंद का काम कर सकते हैं।

शाहरुख के प्रोड्यूसर बनने पर कही ये बात

अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही शाहरुख खान के ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्या समझदारी भरा कदम था? यह पूछे जाने पर माधवन ने कहा कि सभी के लिए एक जैसा दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा सकता।

सितारों का एक वर्ग तो ऐसा कर सकता है, लेकिन इंडस्ट्री के निचले तबके के लोगों के पास उतना पैसा नहीं होता और न ही उतनी आर्थिक सुरक्षा होती है।

अगर आपको दो अंकों का वेतन मिल रहा है, तो उन पर लागू होने वाले नियम अलग होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बापू की जयंती पर उनके दिखाए स्वदेशी के मार्ग पर चलकर
'नए भारत-विकसित भारत' के निर्माण का संकल्प लें।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को कोटि-कोटि नमन।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

सभी क्षेत्रवासियों को

विजयादशमी

एवं महात्मा गांधी की जयंती पर

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रणीत भाटी

प्रथम जिला अध्यक्ष भाजपा गौतमबुद्ध नगर, पूर्व प्रदेश महामंत्री किसान मोर्चा
उत्तर प्रदेश व 2024 लोकसभा चुनाव संयोजक (गौतम बुद्ध नगर)